परमेश्वर का राज्य बाइबल अध्ययन के तरीके

दनि 1

बाइबल का अध्ययन क्यों कयिा जाये? _____

_____

_____

बाइबल अध्ययन के तरीके कौन-कौन से हैं? _____

_____

_____

परमेश्वर जो कुछ करते हैं वह क्यों करते हैं? _____

_____

_____

बाइबल परमेश्वर का कहानी है। हमारी कहानी में उनकी कहानी। उनकी कहानी में हमारी कहानी। एक सच्ची प्रेम कहानी।

परमेश्वर का हृदय है: कि सभी उन्हें, उनके हृदय को, उनके प्रेम को, उनके मार्गों को, उनके सत्य को, उनकी इच्छा को जानें, ताकि हम दुष्टता से वनिष्ट हो रहे इस संसार में क्रूस की वजिय में जी सकें।

बाइबल अध्ययन के तरीके कसि लयि तैयार कयि गये हैं? _____

_____

_____

वह एक काम कौन सा है जसिे बाइबल अध्ययन से पहले कयिा जाना अच्छा है? _____

बाइबल अध्ययन के कुछ वभिन्नि तरीके क्या हैं?

1: _____

2: _____

3: _____

4: _____

5: _____

6: _____

7: _____

8: _____

1. भक्तपिरक बाइबल अध्ययन

भक्तपिरक बाइबल अध्ययन के 8 कदम कौन से हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

कदम 3: _____

_____

कदम 4: _____

_____

कदम 5: _____

_____

कदम 6: _____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 7: _____

कदम 8: _____

_____

_____

भक्तपिरक बाइबल अध्ययन अभ्यास

कदम 1: प्रार्थना करें

कदम 2: **मत्ती 7:21-23 पढ़ें**

कदम 3: बाइबल के इन पदों पर मनन करें और इन्हें एक से अधकि बार पढ़ें।

कदम 4: **मत्ती 7:21-23** के इन पदों के बारे में आपके अवलोकन क्या हैं? _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 5: इस अवलोकन से आपको क्या समझ में आता है? _____

_____

_____

_____

कदम 6: इन पदों को गलत अर्थ देने से बचने के लयि इन पदों के बारे में कौन, क्या, कहाँ, कब, कैसे और क्यों जैसे प्रश्न पूछें।

कौन लोग हैं? _____

कौन बोल रहा है? _____

यीशु **कसिसे** बात कर रहे हैं? **मत्ती 5:1-2** पढ़ें _____

_____

यीशु **कसिके** बारे में बात कर रहे हैं? **मत्ती 7:15-20** पढ़ें _____

_____

लोग एक-दूसरे के साथ **कसि** प्रकार बातचीत करते हैं?_____

_____

_____

यह सब **कहाँ** पर हुआ?_____

यह सब कब **हुआ**?_____

इन पदों में ऐसी कुछ बातें **क्या** हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

_____

_____

_____

इन पदों में यीशु ने जो कुछ कहा वह उन्होंने क्यों **कहा** होगा? _____

_____

_____

_____

ये बातें **क्यों** लिखी गयीं? _____

_____

आज हमारे लयि इनके **क्या** मायने हैं? _____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 7: इन पदों में से आप परमेश्वर के बारे में कौन सी एक बात सीखते हैं? _____

_____

_____

कदम 8: आपका व्यावहारकि प्रतउित्तर/प्रार्थना क्या है? _____

_____

_____

_____

_____

_____

2: अध्याय अथवा पद्याँश साराँश बाइबल अध्ययन

अध्याय अथवा पद्याँश साराँश बाइबल अध्ययन के 7 कदम कौन से हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

कदम 3: _____

कदम 4: _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 5: _____

_____

_____

कदम 6: _____

_____

कदम 7: _____

_____

अध्याय साराँश बाइबल अध्ययन सामूहकि अभ्यास

कदम 1: प्रार्थना करें

कदम 2: **उत्पत्ति 3** पढ़ें

कदम 3: बाइबल के इस अध्याय पर मनन करें और एक से अधिक बार, कम से कम तीन बार पढ़ें।

कदम 4: इस अध्याय का सारांश क्या है? _____

_____

_____

_____

_____

कदम 5: इन पदों को गलत अर्थ देने से बचने के लिये इन पदों के बारे में कौन, क्या, कहाँ, कब, कैसे और क्यों जैसे प्रश्न पूछें।

कौन लोग हैं? _____

कौन बोल रहा है? _____

परमेश्वर **किससे** बात कर रहे हैं? _____

_____

परमेश्वर **किसके** बारे में बात कर रहे हैं? _____

_____

लोग एक-दूसरे के साथ **किस** प्रकार बातचीत करते हैं? _____

_____

यह सब **कहाँ** पर हुआ? **उत्पत्ति 2:8-9** पढ़ें _____

यह सब कब **हुआ**?_____

इन पदों में ऐसी कुछ बातें **क्या** हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

_____

_____

इन पदों में परमेश्वर ने जो कुछ कहा वह उन्होंने क्यों **कहा** होगा? _____

_____

_____

_____

ये बातें **क्यों** लिखी गयीं? _____

_____

_____

आज हमारे लिये इनके **क्या** मायने हैं? _____

_____

_____

_____

कदम 6: इन पदों में से आप परमेश्वर के बारे में कौन सी एक बात सीखते हैं? _____

_____

कदम 7: आपका व्यावहारिक प्रतिउत्तर/प्रार्थना क्या है? _____

_____

_____

_____

_____

परमेश्वर ने आदम और हव्वा को अदन की वाटिका से बाहर क्यों निकाला?

उत्पत्ति 3:22-24 पढ़ें_____

_____

_____

परमेश्वर का राज्य बाइबल अध्ययन के तरीके

दिन 2

3: प्रसंग अथवा विषय बाइबल अध्ययन

प्रसंग अथवा विषय बाइबल अध्ययन के 7 कदम कौन से हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

कदम 3: _____

_____

कदम 4: _____

_____

कदम 5: _____

_____

कदम 6: _____

_____

कदम 7: _____

प्रसंग अथवा विषय बाइबल अध्ययन सामूहिक अभ्यास

कदम 1: प्रार्थना करें

कदम 2: हमारा चुना हुआ प्रसंग अथवा विषय 'ज्योति और अन्धकार' है।

कदम 3: **यूहन्ना 9:5** पढ़ें

कदम 4: इस पद को गलत अर्थ देने से बचने के लिये इस पद के बारे में कौन, क्या, कहाँ, कब, कैसे और क्यों जैसे प्रश्न पूछें।

कौन लोग हैं? _____

कौन बोल रहा है? _____

परमेश्वर **कसिसे** बात कर रहे हैं? _____

_____

परमेश्वर **कसिके** बारे में बात कर रहे हैं? _____

_____

लोग एक-दूसरे के साथ **कसि** प्रकार बातचीत करते हैं? _____

_____

यह सब **कहाँ** पर हुआ?_____

यह सब कब **हुआ**?_____

इस पद में ऐसी कुछ बातें **क्या** हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

_____

_____

_____

इस पद में यीशु ने जो कुछ कहा वह उन्होंने क्यों **कहा** होगा? _____

_____

_____

ये बातें **क्यों** लिखी गयीं? _____

_____

_____

आज हमारे लयि इनके **क्या** मायने हैं? _____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 5: जहाँ पर यह प्रसंग अथवा वषिय घटति हुआ है वहाँ की परसि्थतिकैसी है? **यूहन्ना 9:1-41** पढ़ें

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 6: इस प्रसंग अथवा वषिय में से आप परमेश्वर के बारे में कौन सी एक बात सीखते हैं? _____

_____

कदम 7: आपका व्यक्तगित व्यावहारकि प्रतउित्तर/प्रार्थना क्या है? _____

_____

_____

_____

_____

4: चरित्र बाइबल अध्ययन (किसी व्यक्ति की विशेषताएँ अथवा गुण)

चरित्र बाइबल अध्ययन के 6 कदम कौन से हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

कदम 3: _____

_____

कदम 4: _____

_____

कदम 5: _____

_____

कदम 6: _____

5: व्यक्तित्व बाइबल अध्ययन

व्यक्तित्व बाइबल अध्ययन के 7 कदम कौन से हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

कदम 3: _____

_____

कदम 4: _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

कदम 5: _____

_____

कदम 6: _____

कदम 7: _____

व्यक्तित्व बाइबल अध्ययन सामूहिक अभ्यास

कदम 1: प्रार्थना करें

कदम 2: इस सामूहिक अभ्यास के लिये बाइबल में से मूसा को चुना गया है।

कदम 3: बाइबल में से मूसा से सम्बन्धित पदों और कहानियों को ढूँढें। **निर्गमन 2**, **निर्गमन 3**, **निर्गमन 17**, **निर्गमन 33**, **गिनती 20**, **व्यवस्थाविवरण 34**, **यहोशू 1** और **यूहन्ना 1** पढ़ें

कदम 4: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उन बाइबल पदों के साथ लिखें जिनमें बाइबल हमें उत्तर बताती है?

मूसा के नाम का क्या **अर्थ है**? _____

मूसा को यह नाम क्यों **दिया गया**? _____

क्या **मूसा के नाम को कभी बदला गया**? _____

मूसा के बारे में हम जो कुछ जानते हैं वह सब किसने **लिखा**? _____

मूसा में क्या **गुण थे**? _____

मूसा में क्या **कमज़ोरियाँ थीं**? _____

परमेश्वर के साथ मूसा के सम्बन्ध के बारे में बाइबल क्या **कहती है**? _____

_____

क्या मूसा ने कसी अलौककि 'बुलाहट अथवा परमेश्वर के साथ व्यक्तगित मुलाकात' का अनुभव कयिा?

_____

उस समय मूसा ने अपनी बुलाहट अथवा परमेश्वर के साथ व्यक्तगित मुलाकात का प्रतउित्तर कैसे **दयिा**?

_____

_____

_____

परमेश्वर की योजना के इतहिास में मूसा ने क्या **भूमकिा नभिायी**? _____

_____

कदम 5: आपके अनुसार परमेश्वर ने मूसा की कहानी को बाइबल में शामलि क्यों कयिा? _____

_____

_____

कदम 6: मूसा की कहानी से हम क्या सीख सकते हैं? _____

_____

_____

कदम 7: आपका व्यक्तगित व्यावहारकि प्रतउित्तर/प्रार्थना क्या है? _____

_____

_____

_____

_____

परमेश्वर का राज्य बाइबल अध्ययन के तरीके

दिन 3

6: शब्द बाइबल अध्ययन

शब्द बाइबल अध्ययन के 6 कदम क्या हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

कदम 3: _____

कदम 4: _____

कदम 5: _____

कदम 6: _____

_____

शब्द बाइबल अध्ययन सामूहिक अभ्यास

कदम 1: प्रार्थना करें

कदम 2: **मत्ती 24:30** पढ़ें

कदम 3: Strong's definition अथवा किसी Hebrew Greek dictionary (इब्रानी यूनानी शब्दकोश) में से 'Tribe' (जाति) शब्द को खोजें।

Tribe (जाति) का यूनानी में क्या अर्थ है? _____

_____

_____

कदम 4: 'Tribe' (जाति) का यूनानी शब्द नया नियम में पहली बार **मत्ती 19:28** में उपयोग हुआ है।

इस पद के सन्दर्भ का अध्ययन करें और कौन, क्या, कहाँ, कब, क्यों, कैसे वाले 6 प्रश्न पूछें?

कदम 5: मत्ती की पुस्तक में इस शब्द के अन्य उपयोग ढूँढने के लिये खोज करें, फिर बाकी के नया नियम में से खोजें, और फिर यह भी देखें कि क्या किसी स्थान पर एक से अधिक यूनानी शब्दों का उपयोग हुआ है।

एक और स्थान है जहाँ पर यूनानी शब्द 'tribe' (जाति) और 'mourn' (विलाप) को एकसाथ उपयोग किया गया है।

प्रकाशितवाक्य 1:7 पढ़ें। 'Mourn' (विलाप) की यूनानी परिभाषा क्या है? _____

_____

_____

जब पृथ्वी की सभी जातियाँ प्रभु को आते देखेंगी तो विलाप क्यों करेंगी? _____

_____

कदम 6: उस प्रत्येक परिस्थिति में, जहाँ पर इस शब्द का उपयोग हुआ है, उसके सन्दर्भ के बारे में प्रश्न पूछते हुए पूरे अर्थ को समझने के उद्देश्य से प्रकाशन प्राप्त करने के लिये प्रार्थना करें।

पृथ्वी की जातियाँ कौन हैं? _____

_____

7: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बाइबल अध्ययन

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बाइबल अध्ययन के 7 कदम कौन से हैं?

कदम 1: _____

कदम 2: _____

_____

कदम 3: _____

_____

कदम 4: _____

_____

कदम 5: _____

_____

कदम 6: _____

_____

कदम 7: _____

_____

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बाइबल अध्ययन सामूहिक अभ्यास

कदम 1: प्रार्थना करें

कदम 2: **इफिसियों 1** पढ़ें।

कदम 3: इस परिस्थिति की पृष्ठभूमि को बाइबल में से खोजें। **प्रेरितों 18:18-21** पढ़ें।

पौलुस ने इफिसुस में किसे छोड़ा? _____

प्रेरितों 19:5-10 पढ़ें। बाइबल के इन पदों में से हम इफिसुस के बारे में क्या सीखते हैं?

_____

_____

_____

_____

प्रेरितों 19:18-20 पढ़ें। बाइबल के इन पदों में से हम इफिसुस के बारे में क्या सीखते हैं?

_____

प्रेरितों 19:26-28 पढ़ें। बाइबल के इन पदों में से हम इफसिुस के बारे में क्या सीखते हैं?

_____

_____

_____

प्रेरितों 20:28-30 पढ़ें। बाइबल के इन पदों में से हम इफसिुस के बारे में क्या सीखते हैं?

_____

_____

_____

प्रकाशतिवाक्य 2:1-7 पढ़ें। बाइबल के इन पदों में से हम इफसिुस के वशि्वासयिों के बारे में क्या सीखते हैं?

_____

_____

_____

_____

उनका पहला प्रेम क्या है? _____

_____

_____

_____

इफसियिों 1:15-19 और **इफसियिों 3:14-19** पढ़ें? इफसिुस के वशि्वासयिों के लयि पौलुस क्या प्रार्थना करता है?

_____

_____

_____

कदम 4: इफसिुस की परसि्थतिि के बारे में अन्य संसाधनों में से खोज करें।

कदम 5: _____

कदम 6: _____

_____

कदम 7: _____

_____

_____

_____

8: उपयुक्त अर्थ की प्रयुक्ति बाइबल अध्ययन

बाइबल के पदों को उपयुक्त अर्थ देना महत्त्वपूर्ण क्यों है?

_____

_____

_____

किसी भी बात को हम जो भी अर्थ देते हैं, उसे कौन से विभिन्न कारक प्रभावित करते हैं?

1: _____

2: _____

वर्णन / विवरण (उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती, व्यवस्थाविवरण, यहोशू, न्यायियों, रूत, 1 तथा 2 शमूएल, 1 तथा 2 राजा, 1 तथा 2 इतिहास, एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर, योना तथा सम्भवतः प्रेरितों के काम); **भजन / गीत / काव्य** (भजन संहिता, श्रेष्ठगीत, विलापगीत); **प्रज्ञा / नीतिवचन** (अय्यूब, नीतिवचन, सभोपदेशक); **पत्र / पत्रियाँ** (रोमियों, 1 कुरिन्थियों, 2 कुरिन्थियों, गलातियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, 1 थिस्सलुनीकियों, 2 थिस्सलुनीकियों, 1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस, तीतुस, फिलेमोन, (सम्भवतः इब्रानियों), याकूब, 1 पतरस, 2 पतरस, 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना, 3 यूहन्ना तथा यहूदा)। **नबूवत** (यशायाह, यिर्मियाह, यहेजकेल, दानिय्येल, होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह, हाग्गै, जकर्याह, मलाकी); **सुसमाचार** (मत्ती, मरकुस, लूका, तथा यूहन्ना); **अथवा अन्त समय / भविष्यसूचक** (दानिय्येल तथा प्रभु यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य)।

3: _____

4: _____

5: _____

प्रश्न के रूप में पूछे जाने वाले छः शब्द कौन से हैं?

1: _____ 2: _____

3: _____ 4: _____

5: _____ 6: _____

व्यक्तगित वचनबद्धता

मैंने जो कुछ सीखा है, उसके आधार पर मैं वचनबद्धता करता/करती हूँ कि _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____